# प्रदेश के औद्योगिक विकास को यमुना एक्सप्रेसवे से मिली रफ्तार

लखनऊ। दिल्ली-आगरा को जोड़ने वाला यमुना एक्सप्रेसवे यूपी के औद्योगिक विकास की मजबूत रीढ़ बन चुका है। इन्फ्रास्ट्रक्चर केंद्रित विकास नीति ने इस एक्सप्रेसवे को रोजगार, निवेश और नियोजित शहरीकरण का बड़ा कॉरिडोर बना दिया है।

## एनसीआर में मजबूत हुई कनेक्टिविटी

प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन दीपक मैनी कहते हैं कि यह एक्सप्रेसवे बनने से औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल डिवाइस, रियल एस्टेट और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में तेज विकास हो रहा है। यही नहीं दिल्ली, आगरा और एनसीआर में मजबूत हुई कनेक्टिविटी से उद्योगों को रफ्तार मिली है। जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से इस पूरे क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि यमुना एक्सप्रेसवे के आसपास तेजी से विकसित हो रहीं औद्योगिक परियोजनाएं यूपी को दस खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में अहम भूमिका निभाएंगी। कहा, उद्योग-विकास का नया पॉवर कॉरिडोर 3000 वर्ग किमी में विकसित हो रहा है।

### मुख्य परियोजनाएं

- जेवर के पास एचसीएल–फॉक्सकॉन की ओसैट यूनिट (भूमि पूजन जनवरी 2026 में संभावित)
- सेमीकंडक्टर एवं ईएमसी पार्क बनेगा रोजगार का केंद्र
- मेडिकल डिवाइस पार्क और डाटा सेंटर पार्क का विकास
- विवो, एलजी, हैवेल्स की फैक्टरियां स्थापित
- मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब को मंजूरी
- 200 से ज्यादा नई फैक्टरियां बन रही हैं
- लॉजिस्टिक्स, हाईटेक इंडस्ट्री और सर्विस सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा